MUNDESHWARI COLLEGE FOR TEACHER EDUCATION

(Affliated to Aryabhatta Knowledge University, Patna, Bihar)

Self , peer and Teacher Assessments

CC 09

SELF , PEER AND TEACHER ASSESSMENT

Content

- 01 Introduction
- 02 Self Assessment
- 03 Advantage of self Assessment
- 04 Disadvantage of self Assessment
- 05 Peer Assessment
- 06 Teacher Assessment
- 07 Conclusion

INTRODUCTION

आत्म आकलन (Self Assessment)

आत्म आकलन (Self Assessment)

आत्म आकलन, एक प्र क्रया होती है, जो आत्म वश्वास के मूल्य से संबं धत होती है।हमें यह तथ्य भी मालूम होना चाहिए क काम करने के लए अकेले काम करने का अपना ही मूल्य और महत्व है, यद्य प अक्सर यह काम कया जाता है।

•यह आत्मनिरीक्षण ,आत्म खोज और आत्म प्राप्ति के साथ जुड़ा हुआ है।

• शक्षार्थी स्वयं का आकलन व भन्न रूपों में करता है, पत्रिका में, परीक्षण करता है, कार्य का पुनरीक्षण करता है, प्रश्न पूछता है, और चर्चाओं के माध्यम से।

आत्म-आकलन के लाभ(Advantages of Self Assessment)

- जब वद्यार्थी स्वयं का आकलन करते हैं तो वे जो कुछ जानते हैं, जो नहीं जानते और क्या
- जानना चाहते हैं, उसका आकलन कर रहे हैं।
- वे अपनी शक्तियों और कमजोरियों को पहचानना शुरू करते हैं
- वे अपने स्वयं के वश्वासों और संभवत: उनके गलत धारणाओं से अ धक परि चत हो जाते हैं।
- यह कार्यनिष्पादन के व भन्न पहलुओं का मूल्यांकन करने के लए शक्षक को उनकी शक्ति और कमजोरी का संकेत देने में भी सहायता करता है।
- यह शक्षक को सोचने, प्रतिबिंबित करने और कमी के बिंदुओं को लखने का अवसर प्राप्त करने में मदद करता है।
- इससे वद्या र्थयों को उन लक्ष्यों की बेहतर जानकारी प्राप्त करने में सहायता मलती है जिन तक वे पहुंचना चाहते हैं।
- छात्र अपनै स्वयं के सीखने की जिम्मेदारी ले सकते हैं।

आत्म आकलन के हानि (Disadvantages of Self Assessment)

अध्यापक का फीड बैक: छात्रों को बिना वनिश्चय कया जा सकता है या उन्हें शक्षक की पर्याप्त प्रति क्रया नहीं मली है तो उन्हें प्रगति के बारे में संदेह हो सकता है।
चेतना: छात्रों को बहुत उच्च स्तर की चेतना की आवश्यकता है, ता क वे उनकी बनाई गई त्रुटियों का वश्लेषण कर सकें।

प्रारूप आधारित योजना: आत्म आकलन बहुत अ धक समय लेने वाला हो सकता है, ता क शक्षकों को इसकी योजना पहले करनी पड़े और उसे सही प्रारूप में लखना पड़े, इस लए छात्रों को इसका उत्तर देने में अ धक समय नहीं लगता है, और इस लए इसकी जांच करना आसान हो जाता है।

परिपक्वता का अभाव: कुछ छात्र आत्म आकलन कार्य को करने के लए तैयार नहीं होते, क्यों क वे प्र क्रया की गंभीरता या महत्व से अन भज्ञ होते हैं।

सहकर्मी आकलन (Peer Assessment)

•सहकर्मी आकलन या आकलन का अर्थ उन अनेक तरीकों से है, जिनमें छात्र अपने सर्जनात्मक कार्य को रचनात्मक प्रति क्रया के लए सहभाजन के साथ साझा कर सकते हैं, और फर इस प्रति क्रया का उपयोग अपने कार्य में संशोधन और सुधार लाने के लए करते हैं।

•सहकर्मी आकलन या सहकर्मी समीक्षा छात्रों के लए संर चत सीखने की प्र क्रया प्रदान करता है जिससे क उनके कार्य पर एक दूसरे को प्रति क्रया मलती है।

•इससे छात्रों को दूसरों का आकलन करने और उनके प्रति प्रति क्रया देने में आजीवन कौशल वक सत करने में मदद मलती है और साथ ही उन्हें अपने कार्य का आकलन और सुधार करने के लए कौशल से लैस भी करता है।

सहकर्मी आकलन के लाभ: (Advantages of Peer Assessment)

- छात्र की भागीदारी और जिम्मेदारी को प्रोत्साहित करती है।
- छात्रों को समूह कार्य की प्र क्रया में उनकी भू मका और योगदान पर प्रतिबिंबित करने के लए प्रोत्साहित करता है।
- छात्र के निर्णय कौशल के वकास पर केंद्रित है।
- इस प्र क्रया में छात्रों को भाग लेने के लए प्रोत्साहित कया जाता है।
- छात्रों को अ धक प्रासं गक फ़ीडबैक प्रदान करता है। जैसा क यह उनके सा थयों द्वारा उत्पन्न होता है।
- यह कुछ छात्रों द्वारा उ चत माना जाता है, क्यों क प्रत्येक छात्र को अपने योगदान पर निर्णय लया जाता है।

सहकर्मी आकलन के हानि:(Disadvantages of Peer Assessment)

- अतिरिक्त समय एक व्याख्याता का काम का बोझ बढ़ा सकते हैं।
- छात्रों को सभी को एक ही निशान देने की प्रवृ त्त होगी
- छात्र आकलन करने में असमर्थ हैं।
- छात्रों को अपने सा थयों के बारे में निर्णय लेने के लए अनिच्छुक हो सकता है।
- अन्य चरम छात्रों के साथ भेदभाव कया जा सकता है यदि एक समूह के सदस्य के खलाफ छात्र गरोह हो

शिक्षक आकलन

आकलन के द्वारा शिक्षक को अपने पढ़ाने के तरीकों के बारे में जानकारी मिलती है, जिससे वह पता कर सकता है, कि उसकी पढ़ाने की विधियां कितनी कारगर साबित हो रही हैं। शिक्षक को छात्रों की उपलब्धियों के बारे में पता चलता है। शिक्षक को छात्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होता है।

शक्षकों के लए आकलन की आवश्यकता :-

शक्षक के लए आकलन आवश्यकता के बारे में नीचे दिए गए निम्न ल खत कारण या आकलन से होने वाले लाभों की सूची दी गई है –

- आकलन के द्वारा शक्षक को अपनी शक्षा की योजना, शक्षण की व धयाँ, शक्षण के उपकरणों की सफलता एवं असफलता के बारे में पता चलता है।
- शक्षक को शक्षा के लक्ष्यों की प्राप्ति या अप्राप्ति के बारे में जानने में मदद मलती है।
- आकलन के द्वारा शक्षक को अपने पढ़ाने के तरीकों के बारे में जानकारी मलती है, जिससे वह पता कर सकता है, क उसकी पढ़ाने की व धयां कतनी कारगर साबित हो रही हैं।
- शक्षक को छात्रों की उपलब्धियों के बारे में पता चलता है।
- शक्षक को छात्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होता है।

शक्षक के गुणात्मक वकास के अवसर प्रदान करना

- शक्षक की सहायता करें ता क वह अपना काम अ धक कुशलता से कर सके।
- सीखने- सखाने की प्र क्रया को परिपूर्ण और उद्देश्यपूर्ण बनाएं।
- शक्षकों की प्रगति के बारे में जानकारी प्रदान करना।
- सीखने की समस्याओं का निदान करना और उपचारात्मक
- शक्षा व्यवस्था प्रदान करना इसके आधार पर।

शक्षक आकलन का बिंदुः-

- प्रभावी शक्षण-अ धगम
- पाठ्यक्रम का उ चत संगठन
- छात्रों का चरित्र वकास
- उ चत वर्ग प्रबंधन
- उ चत मानवीय संबंध
- स्कूल कार्यक्रमों में भागीदारी
- छात्रों को व्यावसायिक मार्गदर्शन
- छात्र आकलन
- स्कूल प्रबंधन में भू मका

CONCLUSION

- कसी भी आकलन प्र क्रया में आत्म आकलन छात्र के व्यावसायिक प्रदर्शन की प्रत्या शत भू मका में पहला आवश्यक कदम होता है और यह योजना तथा छात्र सुधार के लए उपयोगी सूचना उपलब्ध करा सकता है।
- सहकर्मी आकलन का अर्थ उन अनेक तरीकों से है, जिनमें छात्र अपने सर्जनात्मक कार्य को रचनात्मक प्रति क्रया के लए सहभाजन के साथ साझा कर सकते हैं, और फर इस प्रति क्रया का उपयोग अपने कार्य में संशोधन और सुधार लाने के लए करते हैं।
- आकलन के द्वारा शक्षक को अपनी शक्षा की योजना, शक्षण की व धयाँ, शक्षण के उपकरणों की सफलता एवं असफलता के बारे में पता चलता है।

धन्यवाद